Literacy for a Billion

Movie: Sahib Bibi Aur Ghulam
Year: 1962

Song: Meri Baat Rahi
Lyricist: Shakeel Badayuni

मेरी बात रही मेरे मन में
कुछ कह ना सकी उलझन में

मेरी बात रही मेरे मन में
कुछ कह ना सकी उलझन में
मेरे सपने अधूरे
हुए नहीं पूरे
आग लगी जीवन में
मेरी बात रही मेरे मन में
कुछ कह ना सकी उलझन में

ओ रसिया मन बसिया
नस नस में हो
तुम ही समाए
मेरे नैना करे बैना
मेरा दर्द ना तुम सुन पाए
जिया मोरा प्यासा रहा सावन में

मेरी बात रही मेरे मन में
कुछ कह ना सकी उलझन में

कुछ कहते कुछ सुनते
क्यों चले गए दिल को मसल के
मेरी दुनिया हुई सूनी

बुझा आस का दीपक जलके
छाया रे अँधेरा मेरी अँखियन में

मेरी बात रही मेरे मन में
कुछ कह ना सकी उलझन में

तुम आओ कि ना आओ
पिया याद तुम्हारी मेरे संग है
तुम्हें कैसे ये बताऊँ
मेरी प्रीत का निराला
इक रंग है
लागा हो ये नेहा
जैसे बचपन में

मेरी बात रही मेरे मन में
कुछ कह ना सकी उलझन में
मेरे सपने अधूरे
हुए नहीं पूरे
आग लगी जीवन में

मेरी बात रही मेरे मन में
कुछ कह ना सकी उलझन में
मेरी बात रही मेरे मन में
कुछ कह ना सकी उलझन में

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.